



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 406]  
No. 406]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 3, 1986/अश्विन 11, 1908  
NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 3, 1986/ASVINA 11, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1986

अधिसूचना

बीमा

का.प्र. 729(अ).—केन्द्रीय सरकार, साधारण बीमा कारबार  
(राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57) की धारा 17क  
द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, साधारण बीमा (पर्यवेक्षणीय,  
लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमानों तथा सेवा की अन्य  
शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) स्कीम, 1974 का और संशोधन  
करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इस स्कीम का नाम साधारण बीमा (पर्यवेक्षणीय, लिपिकीय  
और अधीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमानों तथा सेवा की अन्य शर्तों का  
सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) संशोधन स्कीम, 1986 है।

(2) यह 1 अप्रैल, 1983 को प्रवृत्त हुई मानी जाएगी।

(3) यह उन सब कर्मचारियों को लागू होगी जो—

(i) इस स्कीम के प्रारम्भ होने की तारीख को निम्न व्यवस्था  
कम्पनी के पर्यवेक्षणीय, लिपिकीय और अधीनस्थ कर्म-  
चारी काडर में पूर्णकालिक कर्मचारी हैं, और

(ii) जो इस स्कीम के प्रारम्भ होने की तारीख के पश्चात्  
निम्न व्यवस्था कम्पनी द्वारा उस रूप में नियुक्त किए जाते  
हैं,

किन्तु यह उन व्यक्तियों को लागू नहीं होगी—

(क) जो 1 अप्रैल, 1983 को या उसके पश्चात् वर्ष 1 अधिकारी  
के रूप में प्रोन्नत हो गए हैं या विकास कर्मचारियों के रूप  
में संपरिचित हो गए हैं;

(ख) जो नियोजन की विनिश्चित संविदा के अधीन नियोजित किए  
गए हैं, या

(ग) जो अंशकालिक रूप में नियोजित हैं, या

(घ) जिनका इस स्कीम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
पूर्व त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया था या जिनकी सेवाएं  
समाप्त कर दी गई थीं।

2. साधारण बीमा (पर्यवेक्षणीय लिपिकीय और अधीनस्थ कर्मचारियों  
के वेतनमानों तथा सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण)  
स्कीम 1974 के पैरा 13 में,

उपपैरा (2) में खण्ड (ii) में, “या 36,000 रुपये” शब्दों तथा  
अन्यों और “जो भी कम हो” शब्दों का शोध किया जाएगा।

[फा.सं. 102/2/86-बीमा-IV]

ए.के. पाण्डेया, सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 3rd October, 1986

## NOTIFICATION

## INSURANCE

S.O. 729(E).—In exercise of the powers conferred by section 17A of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972), the Central Government hereby frames the following Schemes further to amend the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and Other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974, namely:—

1. (1) This Scheme may be called the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Amendment Scheme, 1986.

(2) It shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1983.

(3) It shall apply to all employees—

(i) who are whole time employees in supervisory, clerical and subordinate staff cadre of the

Corporation or of the Company on the date of commencement of this Scheme; and

(ii) who are appointed as such by the Corporation or the Company after the date of commencement of this Scheme;

but shall not apply to persons—

(a) who have been promoted as Class I Officers or converted as Development Staff on or after the 1st day of April, 1983;

(b) who are employed under specific contracts of employment; or

(c) who hold part-time employment; or

(d) whose resignation had been accepted or whose services had been terminated before the date of publication of this Scheme in the Official Gazette.

2. In paragraph 13 of the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974, in sub-paragraph (2), clause (ii) the words and figures "of Rs. 36000 whichever is less" shall be omitted.

[F. No. 102/2/86-Ins. IV]

A. K. PANDYA. Addl. Secy.